भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

वित्तीय सेवाएं विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2262

जिसका उत्तर सोमवार, 9 दिसंबर, 2024/18 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया गया

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाले गए ऋण

2262. श्री आनंद भदौरिया:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वित्त वर्ष के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाले गए ऋणों का वर्ष-वार और बैंक-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) बट्टे खाते में डाले गए उक्त ऋणों के संबंध में दस सबसे बड़े लाभार्थियों का बैंक-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न बैंकों द्वारा वसूल किए गए अशोध्य ऋणों का बैंक-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ग): भारतीय रिजर्व बैंक के दिशा-निर्देशों और बैंक बोर्डों द्वारा अनुमोदित नीति के अनुसार, बैंक अन्य अनर्जक *आस्तियों के साथ-साथ वैसी अनर्जक आस्तियां (एनपीए) जिनके* चार वर्ष पूरे होने पर पूर्ण प्रावधान किया गया है को बट्टे खाते डालते हैं। इस प्रकार बट्टे खाते डालने से उधारकर्ताओं की देयताएं समाप्त नहीं होती है और इसलिए इससे उधारकर्ता को लाभ नहीं होता है। उधारकर्ता पुनर्भुगतान के लिए उत्तरदायी बने रहते हैं और बैंक अपने पास उपलब्ध विभिन्न वसूली तंत्रों के माध्यम से जैसे कि सिविल न्यायालयों या ऋण वसूली अधिकरणों में मुकदमा दर्ज करना, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत कार्रवाई, दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता, 2016 के तहत राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण में मामलों को दर्ज करना, बातचीत द्वारा समाधान के माध्यम से/समझौता और एनपीए की बिक्री के माध्यम से इन खातों में शुरू की गई वसूली कार्रवाइयों को जारी रखते हैं।

पिछले पांच वित्तीय वर्षों और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान *सार्वजनिक* क्षेत्र के बैंकों द्वारा बट्टे खाते डाले गए ऋणों और बट्टे खाते डाले गये ऋणों से वसूली सहित एनपीए के संबंध में की गई वसूली का बैंक-वार और वर्ष-वार ब्यौरा क्रमश **अनुबंध-1** और **अनुबंध-2** में दिया गया है।

*****

अनुबंध-1

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बट्टे खाते डाले गए ऋणों के संबंध में लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2262

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बट्टे खाते डाले गए ऋण

(राशि करोड़ रुपये में)

बैंक	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2024-25* (दिनांक 30.9.2024 तक)
बैंक ऑफ बड़ौदा	15,912	14,782	17,967	17,998	10,518	5,925
बैंक ऑफ इंडिया	7,618	8,815	10,443	8,694	9,897	2,316
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	5,698	4,931	3,118	1,491	990	487
केनरा बैंक	7,498	7,642	8,210	4,472	11,827	5,088
सिंडिकेट बैंक	4,934	केनरा बैंक के साथ विलय किया गया				
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	4,169	5,992	1,236	10,258	10,001	68
इंडियन बैंक	3,032	8,371	8,347	7,952	8,734	2,928
इलाहबाद बैंक	9,120	इंडियन बैंक के साथ विलय किया गया				
इंडियन ओवरसीज बैंक	16,405	4,618	3,769	3,412	7,179	621
पंजाब एंड सिंध बैंक	1,781	71	1,134	2,283	796	944
पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी)	13,365	15,877	18,312	16,578	18,317	8,061
ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	3,351	पीएनबी के साथ विलय किया गया				
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	1,728					
भारतीय स्टेट बैंक	52,362	34,402	19,666	24,061	16,161	8,312
यूको बैंक	12,479	9,410	3,851	2,575	1,938	941
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई)	8,417	16,983	19,484	19,175	18,264	6,344
आंध्रा बैंक	4,195	यूबीआई के साथ विलय किया गया				
कॉर्पोरेशन बैंक	3,814					

स्रोत: आरबीआई

** वित्तीय वर्ष 2024-25 के संबंध में आरबीआई के अनंतिम आंकड़े*

*****

अनुबंध-2

पीएसबी द्वारा बट्टे खाते डाले गए ऋणों के संबंध में लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2262

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा एनपीए वसूली

(राशि करोड़ रुपये में)

बैंक	वित्तीय वर्ष 2019-20	वित्तीय वर्ष 2020-21	वित्तीय वर्ष 2021-22	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2023-24	वित्तीय वर्ष 2024-25* (दिनांक 30.9.2024 तक)
बैंक ऑफ बड़ौदा	8,664	8,357	8,564	9,572	7,199	4,535
बैंक ऑफ इंडिया	8,443	4,684	7,858	7,236	7,720	4,166
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	1,660	2,302	1,816	1,876	1,610	968
केनरा बैंक	8,651	10,318	11,324	17,029	9,095	4,358
सिंडिकेट बैंक	4,649	केनरा बैंक के साथ विलय किया गया				
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	4,290	2,972	3,441	4,505	3,402	1,542
इंडियन बैंक	1,444	4,473	5,087	7,039	6,654	2,892
इलाहबाद बैंक	2,903	इंडियन बैंक के साथ विलय किया गया				
इंडियन ओवरसीज बैंक	3,025	1,668	1,397	1,229	3,614	844
पंजाब एंड सिंध बैंक	643	1,004	1,273	1,818	1,600	223
पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी)	13,877	13,939	19,229	16,309	13,206	4,854
ओरिएंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	3,173	पीएनबी के साथ विलय किया गया				
यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया	1,042					
भारतीय स्टेट बैंक	31,895	23,678	18,125	20,122	15,169	7,037
यूको बैंक	3,719	2,155	2,845	2,979	2,227	1,282
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई)	5,208	7,727	8,601	12,827	11,277	4,552
आंध्रा बैंक	1,932	यूबीआई के साथ विलय किया गया				
कॉर्पोरेशन बैंक	3,417					

स्रोत: आरबीआई

** वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए आरबीआई के अनंतिम आंकड़े*

*****